उत्तर रेलवे कर्मचारी संघ

2716. **श्री अटल बिहारी बाजपेयी :**
श्री शारदा नन्द :
श्री ना० स्व० शर्मा :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर रेलवे कर्मचारी संघ ने हाल में अपनी मांगों के बारे में जोधपुर डिवीजन के वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी को कोई ज्ञापन दिया है; और

(ख) यदि हां, तो इन कामों के बारे में क्या कार्यवाही करने का विचार है :—

(एक) सभी रिक्त पद भरना;

(दो) रेलवे बोर्ड के निर्णय के अनुसार छुट्टी पर जाने वाले कर्मचारियों के स्थान पर काम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की व्यवस्था; और

(तीन) कर्मचारियों की अन्य मांगों पर विचार करना ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा): (क) जी हां ।

(ख) (i) भरती पर लगे प्रतिबन्ध के कारण यातायात लेखा शाखा के खाली स्थान भरे न जा सके, लेकिन विभिन्न कार्यालयों में काम को युक्ति-युक्त करने के लिए कुछ कदम उठाये गये हैं ।

(ii) निर्धारित प्रतिशतताओं के अनुसार एवजी कर्मचारियों की व्यवस्था कर दी गयी है ।

(iii) अन्य मांगों की जांच की गयी है और उचित कार्रवाई की जा रही है ।

संगणकों की व्यवस्था

2717. **श्री अटल बिहारी बाजपेयी :**
श्री शारदा नन्द :
श्री ना० स्व० शर्मा :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लेखा कार्य के लिए अब तक विभिन्न रेलवे में कितने संगणकों की व्यवस्था की गयी है ;

(ख) इन संगणकों पर अनावर्ती व्यय के रूप में कितनी विदेशी मुद्रा तथा भारतीय मुद्रा व्यय हुई है, इस अनावर्ती पूंजी पर मासिक कितना ब्याज दिया जाता है तथा प्रति मास कितना आवर्ती व्यय होता है ;

(ग) इस व्यवस्था के परिणामस्वरूप कितने पद समाप्त किये गये और कितने धन की बचत हुई;

(घ) प्रति मास कितना लाभ अथवा हानि हुई; और

(ङ) रेलवे में इन संगणकों की व्यवस्था करने का आगामी कार्यक्रम क्या है तथा उन पर कितनी विदेशी मुद्रा तथा भारतीय मुद्रा व्यय होने की संभावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनांचा) : (क) सात—चार क्षेत्रीय रेलों में और तीन उत्पादन कारखानों में । अन्य पांच क्षेत्रीय रेलों में यूनिट रिकार्ड उपस्कर हैं ।

(ख) इन संगणकों और यूनिट रेकार्ड उपस्करों से सम्बन्धित सभी भुगतान भारतीय रुपयों में किये जाते हैं, विदेशी मुद्रा में नहीं ।

संगणकों की स्थापना पर लगभग 11 लाख रुपये अनावर्ती खर्च हुआ । क्षेत्रीय रेलों में यह खर्च "राजस्व" मद में दिखाया गया । उत्पादन कारखानों में इसे "कारखाना उचन्त" मद में दिखाया गया, जिसे बाद में उत्पादन कारखानों की उत्पादन लागत के एक हिस्से के रूप में प्रभारित किया गया । इसलिए

अनावर्ती प्रभारों पर कोई सूद नहीं लगेगा। 7 संगणकों का मासिक किराया लगभग तीन लाख रुपये है।

(ग) और (घ). क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन कारखानों में से दो में यूनिट रेकार्ड उपस्कर के बदले संगणक लगाये गये। एक उत्पादन कारखाने में प्रायः उसके आरंभ से ही संगणक लगा था। क्षेत्रीय रेलों में केवल वही काम, जो यूनिट रेकार्ड उपस्कर पर किया जाता था, आरंभतः संगणकों पर किया जा रहा है और इस परिवर्तन के कारण कर्मचारियों में केवल नाम मात्र की तात्कालिक बचत हुई है। फिर भी आगामी दो वर्षों के दौरान या उसके आसपास संगणकों पर जब अधिक काम किया जायेगा, तो बचत जरूर होगी जिसकी रकम वर्ष में एक करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना है। यांत्रिक संगणना उपस्कर शीघ्र लगाये जाने की संभावना के कारण उत्पादन-कारखानों में लेखा कर्मचारियों की संख्या शुरू से ही कम रखी गयी और इस प्रकार उत्पादन कारखानों में वर्तमान पदों की संख्या में बड़े पैमाने पर कोई बचत नहीं हुई। क्षेत्रीय रेलों में यूनिट रेकार्ड उपस्कर से यांत्रिक संगणना के फलस्वरूप होने वाली बचत (अर्थात् लगभग 1300 पदों पर होने वाले खर्च में बचत) प्रति वर्ष लगभग 52 लाख रुपये होने का अनुमान है। यह रकम पकड़े गये अवप्रभार की रकम में हुई उस बढ़ती के अलावा है, जो यांत्रिकीकरण से पहले 1963 में लगभग 25 लाख रुपये थी और 1966 में बढ़कर लगभग 94 लाख रुपये हो गयी थी जब मशीनों द्वारा प्रभार की जांच करने का काम शुरू किया गया था। यूनिट रेकार्ड उपस्कर लगाने के बाद उपलब्ध होने वाले माल परिवहन के सम्बन्ध में बड़े पैमाने पर प्राप्त आंकड़ों की सूचना का मूल्य रुपयों में नहीं आंका जा सकता। अभी लगभग 550 वस्तुओं के लिए आंकड़ों का संकलन किया जा रहा है जो यांत्रिकीकरण से पहले केवल लगभग 140 वस्तुओं के लिए किये गये संकलन से कहीं अधिक व्यौरेवार है। ये आंकड़े अब पहले की अपेक्षा बहुत शीघ्र उपलब्ध हो जाते हैं।

(ङ) आशा है दो और क्षेत्रीय रेलों में वर्तमान यूनिट रेकार्ड उपस्कर के बदले संगणक लगाये जायेंगे और आगामी कुछ महीनों में एक दूसरा संगणक रेलवे बोर्ड के कार्यालय में लगाया जायेगा। रेलवे बोर्ड में लगाया जाने वाला संगणक मुख्य रूप से परिवहन, खासकर मालडिब्बों के संचलन पर बेहतर नियंत्रण रखने के लिए प्रयुक्त होगा। संगणकों पर लगभग 4 लाख रुपये का अनावर्ती खर्च होगा जिस में दो क्षेत्रीय रेलों में यूनिट रेकार्ड उपस्कर के बदले संगणक लगाने और रेलवे बोर्ड कार्यालय में संगणक लगाने का खर्च शामिल है। क्षेत्रीय रेलों में एक संगणक का मासिक किराया लगभग 48,000 रुपये है। जिन रेलों में यूनिट रेकार्ड उपस्कर के बदले संगणक लगाया जा रहा है उन सभी क्षेत्रीय रेलों को मिलाकर यह किराया-बदली जाने वाली यूनिट रेकार्ड मशीन के संचालन की लागत के लगभग बराबर होगा। रेलवे बोर्ड के कार्यालय में संगणक लगाने का मासिक किराया लगभग 77,000 रुपये होगा जिसमें पंच और वेरिफायर आदि जैसे परिधि-उपस्कर शामिल हैं। सभी प्रभारों का भुगतान भारतीय रुपयों में किया जाना है।

उत्तर रेलवे के कर्मचारियों को केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना की सुविधाएं प्रदान करना

2718. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी :**
श्री ना० स्व० शर्मा :
श्री शारदा नन्द :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे बोर्ड द्वारा जारी किये गये एक सर्कूलर के उत्तर में दिल्ली में उत्तर रेलवे के बहुत से कर्मचारी हाल में सहमत हो गये हैं कि रेलवे बोर्ड तथा केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों की तरह उन्हें भी केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना की सुविधाएं दी जानी चाहिएं ;